सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

RNI No: UPHIN/2023/86769

www.swarajindianews.com

swarajindia2023@gmail.com swarajindianews swarajindianews

मूल्यः ₹02

सांध्यकालीन समाचार पत्र

स्वराज इंडिया

कोई पद नहीं, फिर भी पूरा भौकाल!

कानपुर, शुक्रवार, 22 अगस्त, 2025
वर्षः 02, अंकः 222, पृष्ठः 8+4

इनसाइड केडीए-पुलिस की मिलीभगत से दर्जनों एफआईआर 'जीरो'... Pg 03

Pg 12

पुराने वाहनों को लेकर केंद्र सरकार का बड़ा फैसला

20 साल तक चलाएं गाड़ी

लेकिन रजिस्ट्रेशन फीस देनी होगी ज्यादा

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

नई दिल्ली। नए नियमों के मुताबिक, कोई भी वाहन पहली रजिस्ट्रेशन की तारीख से अधिकतम 20 साल तक रजिस्टर किया जा सकता है। केंद्र सरकार ने पुराने वाहनों के दोबारा रजिस्ट्रेशन की फीस में बड़ा इजाफा किया है। इसको लेकर सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने नया नोटिफिकेशन जारी किया है। सरकार के मुताबिक, इस कदम का मकसद देश में 15 साल से ज्यादा पुराने वाहनों के इस्तेमाल को कुछ हद तक कम करना है।

अब तक केवल 15 साल तक के पुराने वाहनों का रजिस्ट्रेशन नवीनीकरण कराना संभव था। लेकिन नए नियम के मुताबिक, 20 साल से ज्यादा पुराने वाहनों के लिए भी यह सुविधा मिलेगी। हालांकि इसके लिए रजिस्ट्रेशन फीस को

» इस कदम से 15 साल से पुराने वाहनों का इस्तेमाल कम होगा

» गाड़ियों की उम्र बढ़ाने से वाहन मालिकों को राहत मिलेगी

बढ़ाने का ऐलान किया गया है। सरकार के मुताबिक, गाड़ियों की उम्र बढ़ाने से वाहन मालिकों को राहत मिलेगी और पुराने वाहनों का उपयोग कानूनी रूप से संभव रहेगा।

कब तक चल पाएंगे पुराने वाहन?: नए नियमों के मुताबिक, कोई भी वाहन पहली रजिस्ट्रेशन की तारीख से अधिकतम 20 साल तक रजिस्टर किया जा सकता है. यानी 15 साल पूरे होने के बाद वाहन मालिक को दोबारा रजिस्ट्रेशन कराना होगा, लेकिन उसके लिए भारी फीस देनी होगी।

क्या होगी नई रजिस्ट्रेशन फीस?

नए नियमों के तहत अलग-अलग श्रेणियों के वाहनों की फीस इस प्रकार से तय की गई है। इन दरों में जीएसटी शामिल नहीं है।

- इनवैलिड कैरिज : 100 रुपये
- मोटरसाइकिल : 2,000 रुपये
- थ्री-व्हीलर/क्वाड्रिसाइकिल : 5,000 रुपये
- लाइट मोटर व्हीकल (कार आदि) : 10,000 रुपये
- इंपोर्टेड मोटर वाहन (2 या 3 पहिया) : 20,000 रुपये
- इंपोर्टेड मोटर वाहन (4 या अधिक पहिया) : 80,000 रुपये
- अन्य वाहन : 12,000 रुपये

दिल्ली सीएम रेखा गुप्ता के कार्यक्रम में फिर हुआ हंगामा

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के कार्यक्रम में फिर से हंगामा हुआ है। बताया जा रहा है कि अशोक बाजार गांधी नगर में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता थोक रेडीमेड गारमेंट डीलर्स एसोसिएशन द्वारा आयोजित वस्त्रिका 2025 कार्यक्रम में हिस्सा लेने पहुंची थीं। दो लोग यहां नारेबाजी कर हंगामा कर रहे थे। जिसे बैरिकेडिंग के बाहर ही पुलिस ने हिरासत में ले लिया, पुलिस उनसे पूछताछ कर रही है।

बता दें कि, बीते दिनों जनसुनवाई में मुख्यमंत्री पर हुए हमले के बाद रेखा गुप्ता पहली बार किसी सार्वजनिक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए घर से बाहर निकली थीं। कार्यक्रम में स्थानीय सांसद हर्ष मल्होत्रा, स्थानीय विधायक अरविंद सिंह लवली, पार्षद और गांधीनगर मार्केट के तमाम व्यापारी मौजूद रहे। इस हंगामे से मुख्यमंत्री के कार्यक्रम पर कोई असर नहीं पड़ा। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर बुधवार सुबह हमला हुआ था।

विकास गौरव पथ, स्मार्ट क्लासरूम, ईवी स्टेशन और डिजिटल सेवाओं से सुसज्जित होंगी नगर पालिकाएं

जिला मुख्यालयों की नगर पालिकाएं बनेंगी स्मार्ट और आधुनिक: सीएम योगी

» प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश की जिला मुख्यालय वाली नगर पालिकाओं को बेहतरीन नगरीय अवस्थापना का मानक बनाया जाएगा। इसके लिए जल्द ही स्मार्ट और विकसित नगर पालिका योजना लागू होगी। मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को नगर विकास विभाग की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिया कि इस योजना पर तुरंत कार्य प्रारंभ किया जाए।

अधिकारियों ने जानकारी दी कि

» योजना पर तुरंत कार्य प्रारंभ करने का सीएम ने दिया निर्देश

» इस योजना को हब-एंड-स्पोक मॉडल पर लागू किया जा सकता

योजना के अंतर्गत नगर पालिकाओं में गौरव पथ, पिंक टॉयलेट, शहरी सुविधा केंद्र, स्मार्ट क्लासरूम व आंगनबाड़ी, थीम आधारित पार्क, ऐतिहासिक धरोहर संरक्षण, जलाशयों का पुनर्जीवन, ईवी चार्जिंग स्टेशन, ग्रीन क्रेमेटोरियम और डिजिटल सेवाएं विकसित की जाएंगी। स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए उत्सव भवन, सामुदायिक केंद्र और ओडीओपी आधारित ढांचे भी बनाए जाएंगे।

हब-एंड-स्पोक मॉडल पर निगरानी और सुरक्षाः मुख्यमंत्री ने कहा कि इस योजना को हब-एंड-स्पोक मॉडल पर लागू किया जा सकता है। उदाहरण स्वरूप, लखनऊ और गोरखपुर स्थित एकीकृत कमांड एवं कंट्रोल सेंटर से समीपवर्ती नगर पालिकाओं को जोड़ा जाएगा।

दीनू गैंग का सक्रिय सदस्य: एक लाख का ईनामी नारायण भदौरिया गिरफ्तार

» एक समय पर जूता व्यापारी अपहरणकांड को दिया था अंजाम

» दीनू गैंग का सक्रिय सदस्य, 15 से ज्यादा मुकदमों में वांछित

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए कुख्यात दीनू गैंग के सदस्य और एक लाख के इनामी अधिवक्ता नारायण सिंह भदौरिया को गिरफ्तार कर लिया है।

जूता व्यापारी के अपहरण और रंगदारी मांगने के मामले में वांछित चल रहे नारायण पर कोहना और नौबस्ता थाने में दर्ज मुकदमों में 50-50 हजार का इनाम घोषित था। दो महीने से फरार नारायण को पुलिस ने श्याम नगर इलाके से दबोचा और कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे 14 दिन की रिमांड पर जेल भेजा गया। एसीपी कोतवाली आशुतोष कुमार ने बताया कि नारायण सिंह भदौरिया दीनू उपाध्याय के गिरोह का सक्रिय सदस्य है, जो अपहरण, डकैती, रंगदारी वसूली और जमीनों पर कब्जा जैसे अपराधों में शामिल रहा है।

जूता व्यापारी राकेश अरोड़ा ने दीनू उपाध्याय और उसके साथियों पर अपहरण, मारपीट और रंगदारी मांगने का मुकदमा दर्ज कराया था, जिसमें विवेचना के दौरान नारायण का नाम सामने आया।

जमीन कब्जे और रंगदारी का पुराना खिलाड़ी

नारायण भदौरिया सिर्फ अपहरण और रंगदारी में ही नहीं, बल्कि लंबे समय से जमीनों पर कब्जा करने और गैंग के साथ मिलकर जबरन वसूली करने जैसी वारदातों में सक्रिय था। उसके खिलाफ किदवई नगर, गोविंद नगर, बर्रा, घाटमपुर, जाजमऊ और बिधनू समेत कई थानों में करीब 15 मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार किदवई नगर थाने में उसकी हिस्ट्रीशीट खोली गई थी। अधिवक्ता की आड़ में वह लगातार आपराधिक गतिविधियों को अंजाम देता रहा। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि नारायण की गिरफ्तारी दीनू गैंग के लिए बड़ा झटका साबित होगी और अब उसकी जमानत की संभावनाएं भी मुश्किल होंगी। इसके साथ ही पुलिस अब उसके आपराधिक नेटवर्क और जमीन कब्जे के पूरे खेल की तहकीकात करेगी, ताकि गैंग के बाकी सदस्यों पर भी शिकंजा कसा जा सके।

डीएम दरबार में पहुंचे 'महाराजा शांतनु' पैतृक ज़मीन पर कब्जे की शिकायत

» महाभारत अभिनेता संजय शुक्ला ने जनता दर्शन में लगाई गुहार

» पिता के सपने को पूरा करने के लिए भूखंड पर अस्पताल बनाना चाहते हैं

प्रमुख संवाददातास्वराज इंडिया

कानपुर। धारावाहिक महाभारत में महाराजा शांतनु का किरदार निभाकर पहचान बनाने वाले अभिनेता संजय शुक्ला गुरुवार को जिलाधिकारी कार्यालय में फरियादी बनकर पहुंचे। जनता दर्शन के दौरान उन्होंने अपनी पैतृक ज़मीन पर हो रहे अवैध कब्जे की शिकायत दर्ज कराई।

संजय शुक्ला और उनके भाई पवन कुमार ने बताया कि उनके पिता स्वर्गीय श्याम नारायण शुक्ल, जो उर्सला अस्पताल में सर्जन थे, उन्होंने वर्ष 1969 में दहेली सुजानपुर क्षेत्र में एक भूखंड खरीदा था। उनकी इच्छा थी कि इस ज़मीन पर गरीबों के लिए अस्पताल बनाया जाए, लेकिन असमय निधन के कारण यह सपना अधूरा रह गया। संजय शुक्ला का कहना है कि अब वे और उनका परिवार इस अधूरे सपने को पूरा करना चाहते हैं।

उन्होंने जिलाधिकारी को बताया कि लंबे समय से मुंबई में रहने के कारण वे समय-समय पर ही ज़मीन देख पाए। हाल ही में जब वे भूखंड पर पहुंचे तो कुछ लोगों ने उन्हें निर्माण कार्य करने से रोक दिया और दबाव बनाने लगे। यह स्थिति उनके लिए बेहद पीड़ादायक है क्योंकि वे अपने पिता की स्मृति में गरीबों के लिए अस्पताल बनाना चाहते हैं।जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने शिकायत सुनने के बाद मामले को गंभीरता से लेते हुए एसडीएम सदर को जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। जनता दर्शन में मौजूद लोगों के लिए यह दृश्य अलग रहा जहां छोटे परदे पर राजा शांतनु का किरदार निभाने वाले संजय शुक्ला इस बार आम नागरिक की तरह इंसाफ की गुहार लगाते नज़र आए।

केडीए-पुलिस की मिलीभगत से दर्जनों एफआईआर 'जीरो'

» पूर्व विधायक नीरज चतुर्वेदी की शिकायत पर सांसद रमेश अवस्थी ने भेजी चिटठी से हुआ खुलासा

» केडीए के कई अफसरों और पुलिस कर्मचारियों की भूमिका पर उठते रहे सवाल, प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई

प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। महानगर कानपुर में पुलिस कमिश्नर अखिल कुमार ने अपराधियों एवं माफियाओं के समूल सफाया के लिए ऑपरेशन महाकाल लांचकर कार्रवाई शुरू की तो बडे बडे चेहरे बेनकाब हो हो रहे हैं। इनमें जमीनों के कई सौदागर भू-माफिया बनकर समाज से लेकर कई सरकारी विभागों का खूब भटटा बैठाया। दरअसल, कार्रवाई तो पहले भी होती थीं लेकिन वह कागजों तक ही सीमित रहती थीं इसके चलते खिलाडियों के हौंसले बढते गए। दावा है कि केडीए के करीब 3 सौ अधिक प्लाट सिंडीकेट ने अभिलेखों में हेराफेरी करके हडप लिए, इनपर एफआईआर हुई लेकिन हुआ कुछ नहीं।

सांसद रमेश अवस्थी की कवरिंग लगी एक चिटठी 15 अगस्त 2025 को पुलिस कमिश्नर को भेजी गई है। इसमें पूर्व विधायक नीरज चतुर्वेदी के पत्र का हवाला देते हुए कुछ बडे खुलासे किए गए हैं। इसमें कहा गया है कि फर्जी ढंग से केडीए के हडपे गए भूखंडों को लेकर तत्समय करीब 23 एफआईआर लिखी गई।

इनमें दावा है कि अधिकतर में पुलिस द्वारा कोई प्रभावी एक्शन नहीं लिया गया। आरोपियों से मिलीभगत मामला सुलटा लिया गया।

9 जून 2025 को केडीए वीसी मदन सिंह गर्ब्याल ने पुलिस कमिश्नर को पत्र भेजा था। इसमें कहा गया था कि कूटरचित तथ्यों के आधार पर विभिन्न भूखंडों को हथियान के मामले में वर्ष 2023 में दर्ज की एफआईआर संख्या 007, 0028,0019, 0031, 0026, 0030, 0029, 0023, 0024 में कोई वैधानिक एक्शन लिया गया। पूर्व विधायक नीरज चतुर्वेदी ने कहा कि इस पूरे खेल में केडीए और स्थानीय पुलिस के कुछ लोग भी शामिल हैं जो सुनियोजित ढंग से भूखंडों में खेल किया। एफआईआर तो सिर्फ रस्म अदायगी के लिए हुई। केडीए ने ऐसे भूखंड आजतक नहीं खाली करवाए।

20 सालों से चल रहा कूटरचित आधार पर प्लॉट कब्जाने का उद्योग

पूर्व विधायक ने कहा कि केडीए के प्लाट और जमीन हथियाने में पूरा सिंडीकेट है। प्राधिकरण कर्मी, पुलिस और कुछ अधिवक्ता मिलकर अरबों रूपयों के प्लाट पी गए।

केडीए ने जिन भूखंडों में एफआईआर दर्ज कराई, उनका कब्जा वापिस नहीं लिया गया। दावा है कि एफआईआर के बाद भी 15 प्लाटों में मल्टीस्टोरी बिल्डिंगें खडी कर दी गई। केडीए कर्मचारी इसमें शामिल होकर अपना हित खोजते रहे। कई अर्जित जमीनों के कागजों में खेल करके बेंच दिया गया। इनकी अगर सही से जांच की जाए तो बडे बडे खेल सामने आ जाएंगे।

मिलीभगत से एक्सिस कॉलेज को बेंची गई चारागाह की जमीन

बीते दिनों नर्वल तहसीलदार विनीता तिवारी ने खुलासा किया था कि रूमा स्थित एक्सिस इंजीनियरिंग कॉलेज द्वारा चारागाह की करीब 15 बीघा से अधिक जमीन पर कब्जा किया गया है। इसमें कॉलेज प्रबंधन का दावा है कि केडीए ने उसे जमीन बेंची है।

जब कि नियमानुसार चारागाह की जमीन का विक्रय नहीं हो सकता है तो ऐसे में आशंका है कि केडीए और कॉलेज प्रबंधन के बीच लंबी डील के तहत अरबों की जमीन कौडियों में दे दी गई। अब फिलहाल मामला ठंडे बस्ते में डाल दिया गया। केडीए वीसी मदन सिंह गर्ब्यांयाल ने कहा कि इस मामले की जानकारी है, इसकी पत्रावली चेक कर जानकारी की जाएगी।

ककवन में 13 साल की दलित किशोरी को चार दरिंदो ने नोंचा

रात के अंधेरे में दरिंदो ने नाबालिग को बनाया शिकार, पीड़िता ने परिजनों को सुनाई रोंगटे खड़े कर देने वाली दास्तां

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

ककवन, बिल्हौर (कानपुर)। ककवन थाना क्षेत्र के एक गांव में बीती 20 अगस्त की रात, जब जन्माष्टमी की छठी की गूंज थी, उसी वक्त अंधेरे में छिपे चार दरिंदे एक मासूम की इज्जत लूटने की घिनौनी साजिश रच रहे थे। रात करीब दस बजे दलित समाज की 13 वर्षीय किशोरी घर से शौच के लिए निकली। लेकिन रास्ते में हवस के भेड़िये भोला, इक्कू, रविंद्र और दीपू ने उसे दबोच लिया और गांव के पीपल के पेड़ तले खींच ले गए। वहाँ मुंह पर कपड़ा ठूंसकर और हाथ-पांव जकड़कर किशोरी से बारी-बारी से दुष्कर्म किया।मासूम चीखती रही लेकिन दरिंदो को तरस तक नहीं आया। जब थकी और टूटी बच्ची किसी तरह छूटकर घर लौटी तो रोते हुए मां-बाप के गले लिपट गई और कांपती जुबान से दरिंदगी की पूरी दास्तान सुनाई। यह सुनकर परिजनों के होश उड़ गए। परिजन ककवन थाने पहुँचे और शिकायत की। घटना की तहरीर मिलते ही पुलिस हरकत में आई। इंस्पेक्टर पुलिस टीम के साथ पहले घटनास्थल पहुंचे और फिर आरोपितों के घर लेकिन सभी आरोपी फरार हो गए।

चारों आरोपियों के खिलाफ सामूहिक दुष्कर्म, पॉक्सो एक्ट और एससी-एसटी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया। आरोपितों की तलाश में पुलिस की कई टीमें लगा दी हैं।

घटनास्थल का निरीक्षण करते डीसीपी दिनेश त्रिपाठी व एसीपी अमर नाथ व पुलिस टीम।

चारों आरोपित।

घटनास्थल पहुँचे डीसीपी, आश्वासन दिया दोषी नहीं बचेंगे : गुरुवार को घटना की जानकारी मिलते ही डीसीपी पश्चिम दिनेश त्रिपाठी, एसीपी बिल्हौर अमरनाथ यादव पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने मौके पर बारीकी से जांच-पड़ताल की और पीड़ित परिजनों से मुलाकात कर भरोसा दिलाया कि किसी भी आरोपी को बख्शा नहीं जाएगा। दोषियों को जल्द ही सलाखों के पीछे भेजा जाएगा। किशोरी के साथ हुए गैंगरेप प्रकरण में अब सियासत भी तेज हो गई है।

गिरफ्तारी न होने पर बीएसपी ने आंदोलन की चेतावनी दी

“पूर्व प्रभारी बीएसपी बिल्हौर विधानसभा विनय कुमार गौतम ने आरोप लगाया कि घटना में पुलिस ने गंभीर लापरवाही बरती है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि चारों आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी नहीं हुई तो बीएसपी आंदोलन करने के लिए बाध्य होगी। गौतम ने कहा कि पार्टी पीड़ित परिजनों के साथ खड़ी है और हर संभव मदद उपलब्ध कराएगी। साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि यह पीडीए के पाले हुए गुंडों की करतूत है। उन्होंने बताया कि बीएसपी कार्यालय से एक प्रतिनिधिमंडल शनिवार को पीड़ित परिवार से मिलने गांव पहुंचेगा।

विनय कुमार गौतम, पूर्व प्रभारी बीएसपी बिल्हौर विधानसभा

अश्लील मैसेज भेजने वाला युवक पुलिस के शिकंजे में

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बिल्हौर(कानपुर)। मोबाइल फोन पर अश्लील मैसेज भेजकर किशोरी को परेशान करने वाले युवक के खिलाफ पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। पीड़िता का आरोप है कि आरोपी आकाश राजपूत पहले भी उसे कई बार परेशान कर चुका है।

किशोरी ने तहरीर में बताया कि वर्ष 2022 में आकाश ने उसके साथ दुष्कर्म किया था, जिस मामले में वह जेल भी जा चुका है। जमानत पर छूटने के बाद से आरोपी लगातार मोबाइल पर अश्लील संदेश भेजकर उसे धमकाता और परेशान करता है। चौबेपुर पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर रिपोर्ट दर्ज कर ली है और गिरफ्तारी के प्रयास तेज कर दिए गए हैं।

सर्पदंश से मासूम की मौत लापरवाही का आरोपी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बिल्हौर(कानपुर)। ककवन थाना क्षेत्र के मलखरिया गांव में गुरुवार की सुबह एक दर्दनाक हादसा हो गया। गांव निवासी जहांगीर का छह वर्षीय पुत्र आसीम नींद में ही सांप के डसने का शिकार हो गया। परिजन तुरंत उसे सीएचसी ले गए, जहां से कन्नौज जिला अस्पताल रेफर कर दिया। वहां पहुंचने पर चिकित्सकों ने बच्चे को मृत घोषित कर दिया। परिजनों ने सीएचसी बिल्हौर के चिकित्सकों पर लापरवाही बरतने के गंभीर आरोप लगाए और पुलिस को तहरीर दी।

चुनावी रंजिश में प्रधान पति पर हमला, आरोपी फरार

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। रायगोपालपुर गांव में पंचायत चुनाव की पुरानी रंजिश खूनी झड़प में बदल गई। ग्राम प्रधान श्रीदेवी के पति राजेश कुमार कोरी पर पराजित प्रत्याशी बल्लू तिवारी ने लाठी-डंडे से हमला कर दिया। हमले में राजेश गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। राजेश का आरोप है कि पंचायत चुनाव में पत्नी की जीत के बाद से बल्लू तिवारी लगातार खुन्नस पाले था। बीते 18 अगस्त को जब वह घर लौट रहे थे, तभी रास्ते में घात लगाए बैठे बल्लू ने गाली-गलौज के बाद उन पर हमला बोल दिया।

समीक्षा बैठक | **गौ आश्रय स्थलों की व्यवस्थाओं पर एसडीएम ने दिखाई सख्ती**

‘तीन दिनों के भीतर सभी व्यवस्थाओं को दुरुस्त किया जाए’

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बिल्हौर(कानपुर)। गुरुवार को उपजिलाधिकारी दफ्तर में एसडीएम डॉ. संजीव दीक्षित की अध्यक्षता में गौ आश्रय स्थलों की अनुश्रवण, मूल्यांकन एवं समीक्षा समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में उपमुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. एसके द्विवेदी ने तहसील क्षेत्र के सभी गौ आश्रय स्थलों की स्थिति और उनमें आ रही समस्याओं की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की। रिपोर्ट में चारा, साइलेज, चोकर, भूसा, गुड़, स्वच्छ पेयजल, साफ-सफाई, टीकाकरण और टैगिंग जैसी व्यवस्थाओं में खामियां सामने आईं। इस पर एसडीएम ने संबंधित अधिकारियों को कड़े निर्देश देते हुए कहा कि तीन दिनों के भीतर सभी व्यवस्थाओं को दुरुस्त किया जाए। गौशाला संचालन में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे न केवल रिकॉर्ड तैयार रखें, बल्कि जमीनी स्तर पर नियमित निरीक्षण भी करें और मौके पर मौजूद समस्याओं का तुरंत समाधान सुनिश्चित करें। बैठक के दौरान अनुपस्थित रहे अधिकारियों पर भी एसडीएम ने नाराजगी जताई और कारण बताओ नोटिस जारी करने के आदेश दिए। उन्होंने साफकहा कि जिम्मेदारी से भागने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। बैठक में तहसीलदार सी.पी. राजपूत, बीडीओ यशवीर सिंह, क्षेत्रीय वनाधिकारी विजय कुमार श्रीवास्तव, पशु चिकित्सा अधिकारी नीरज पटेल सहित कृषि विभाग और अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

सभी गौ आश्रय स्थलों की स्थिति और उनमें आ रही समस्याओं की विस्तृत रिपोर्ट दी

सम्पादकीय

पंजाब में बढ़ते अपराध गंभीर चुनौती

एक बार फिर पंजाब देश-विदेश से संचालित आपराधिक गैंगों और आतंकवादियों के निशाने पर आ गया है। संगठित आपराधिक गिरोहों द्वारा आम-खास लोगों को शिकार बनाये जाने की घटनाएं जब-तब सामने आती रहती हैं। हाल ही में एक पृथकतावादी संगठन के सक्रिय आतंकी हरप्रीत सिंह उर्फ हैप्पी पासिया का अमेरिका से प्रत्यर्पण इस बात की याद दिलाता है कि राज्य में चरमपंथी विचारधारा का साया कितना गहरा बना हुआ है। आरोप है कि करीब चौदह ग्रेनेड हमलों को अभियुक्त ने अंजाम दिया। पाकिस्तान की कुख्यात खुफिया एजेंसी आईएसआई के इशारे पर काम करने वाले अभियुक्त पासिया की भारत वापसी निस्संदेह आगे की जांच में मददगार साबित होगी। इससे भारत विरोधी गतिविधियों में पाकिस्तान के सत्ता प्रतिष्ठानों के काले अध्याय फिर सामने आने की भी उम्मीद जगी है। इस प्रकरण के उजागर होने से एक बार फिर स्पष्ट हुआ है कि कैसे पंजाब को भारत विरोधी ताकतों द्वारा विदेशों से निशाना बनाया जा रहा है। वहीं दूसरी ओर राज्य में गैंगस्टरों द्वारा की जा रही हिंसा में खतरनाक ढंग से वृद्धि देखी जा रही है। अबोहर के व्यवसायी संजय वर्मा की दिनदहाड़े हुई हत्या और मोगा में अभिनेत्री तानिया के डॉक्टर पिता की उनके क्लीनिक में गोली मारकर की गई निर्मम हत्या ने इस बात को उजागर किया कि संगठित आपराधिक नेटवर्क कितनी आसानी से काम कर रहे हैं। हमलावरों द्वारा सार्वजनिक रूप से मरीज बनकर डाक्टर को गोली का निशाना बनाना आपराधिक दुस्साहस को ही उजागर करता है। जो बताता है कि अपराधियों में कानून व पुलिस का खौफ नजर नहीं आता। यह समाज वैज्ञानिकों के लिये भी गंभीर मंथन का विषय है कि राज्य का समाज इस गहरी अस्वस्थता का शिकार क्यों है। निश्चित रूप से समाज में आर्थिक विसंगतियां और सामाजिक विद्रूपताएं अपराध की राह खोल रही हैं। वहीं दूसरी ओर, राज्य में शिक्षित युवाओं में बेरोजगारी, नशे की लत, अशांत बचपन, गरीबी, विषैली राजनीति और रातों-रात अमीर बनने की लालसा कई पंजाबी युवाओं को अपराध की अंधी गली की ओर धकेल रही है। ऐसा भी नहीं है कि बेरोजगारी व अन्य सामाजिक विसंगतियां देश के अन्य राज्यों में नहीं हैं। नशा एक राष्ट्रीय संकट बनता जा रहा है।

सवाल ये कि हमारा शासन-प्रशासन इन अपराधों से किस तरह निबटता है। विडंबना यह भी है कि सोशल मीडिया पर हो रही चर्चा में गैंगस्टरों का महिमामंडन आग में घी डालने का काम कर रहा है। निस्संदेह, अपराध का रास्ता कई युवाओं को आकर्षित करता है, लेकिन एक हकीकत यह भी है कि इस राह से गुजरने के बाद मुख्यधारा में लौटना असंभव है। अपराधी फिर कभी सामान्य जीवन नहीं जी सकता। लेकिन इसके बावजूद शासन-प्रशासन को राज्य में उन सामाजिक-आर्थिक विसंगतियों को प्राथमिकता के आधार पर संबोधित करने की सख्त जरूरत है, जो अपराध को बढ़ावा देते हैं। उन विभागीय काली भेड़ों की भी सख्त निगरानी की जरूरत है जो अपराधियों के अपवित्र गठबंधन में मददगार होती हैं। हालांकि, पंजाब पुलिस ने कुछ गिरफ्तारियां और मुठभेड़ें की हैं, लेकिन ये महज एक प्रतिक्रियात्मक कदम मात्र है। इस बड़े संकट से निपटने के लिये एक निरंतर, व्यवस्थित व कारगर रणनीति बनाने की जरूरत है। वहीं कानून प्रवर्तन एजेंसियों को मजबूत बनाने की दरकार है। इसके साथ ही शिक्षा प्रयासों का विस्तार करने, पुनर्वास और न्यायिक प्रक्रियाओं को भी तेज करने की आवश्यकता है।

ठोस रणनीति से ही हिमाचल में नशा मुक्ति की राह

सोमेश गोयल

हिमाचल प्रदेश में नशीले पदार्थों की समस्या बड़ी चुनौती बन गयी है। सिंथेटिक ड्रग्स की स्मगलिंग गंभीर समस्या है। शिकंजा कसने के लिए नशा निवारण कानून के तहत पुलिस द्वारा दर्ज मामले बढ़े हैं। राज्य में एक सर्वेक्षण जरूरी है जिससे नशे के आदी लोगों की पहचान व ठोस रणनीति के तहत पुनर्वास का सतत अभियान चलाया जा सके। इस माफिया पर नकेल के लिए वित्तीय जांच भी बढ़ाई जाये।हिमाचल प्रदेश में मादक पदार्थों की तस्करी को रोकने के उद्देश्य से एक सशक्त संदेश देते हुए पुलिस ने केवल एक महीने में ही 250 से अधिक व्यक्तियों के खिलाफ नशा तस्करी के आरोप में मुकदमें दर्ज किए हैं। ऐसे व्यक्तियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में 183 एफआईआर दर्ज की गई हैं।

प्रदेश में 14 मामले वाणिज्यिक मात्रा में मादक पदार्थ रखने के लिए, 85 मामले मध्यम मात्रा के लिए और 58 मामले छोटी मात्रा के लिए दर्ज किए गए। लगभग दो दर्जन मामले नशीली दवाओं की खेती से संबंधित थे। एक सकारात्मक कदम के रूप में पुलिस ने पीआईटी एनडीपीएस अधिनियम के तहत 21 निवारक प्रस्तावों पर कार्रवाई शुरू की है। राज्य पुलिस ने सक्षम प्राधिकारी से आधा दर्जन आदेश प्राप्त करने में भी सफलता हासिल की है। लगभग तीन दशकों से मादक पदार्थों की समस्या कानून प्रवर्तन एजेंसियों के लिए एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। तस्करी ने केवल गांजा केंद्रित व्यापार से बदलकर छिपाने में आसान और उच्च कीमत वाले सिंथेटिक ड्रग्स की स्मगलिंग का रूप ले लिया है। दूरदराज व दुर्गम इलाके का फायदा उठाते हुए अपराधी यहां अफीम की अवैध खेती भी करते हैं।

वर्ष 2019 के नशीले पदार्थों के उपयोग संबंधी राष्ट्रीय सर्वेक्षण में हिमाचल प्रदेश के लिए कोई गंभीर चेतावनी नहीं दी गयी थी। हालांकि, तब से काफी कुछ बदल चुका है। समस्या की सटीक स्थिति जानने के लिए राज्य स्तर पर एक नमूना सर्वेक्षण की तत्काल आवश्यकता है। पुलिस वेबसाइट पर उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2023 में एनडीपीएस अधिनियम के मामलों में 41 प्रतिशत की महत्वपूर्ण वृद्धि देखी गई है। राज्य के लिए चिंताजनक बात यह है कि मादक पदार्थों के मामलों में गिरफ्तार किए गए 90 प्रतिशत से अधिक लोग 18 से 45 वर्ष आयु वर्ग के हैं। राज्य की जेलों में लगभग तेरह सौ युवा मादक पदार्थों से जुड़े मामलों में बंद रहते हैं। राज्य का कोई भी जिला मादक पदार्थों की समस्या से अछूता नहीं है। शिमला, कुल्लू और मंडी जिलों में इस श्रेणी के अधिकतम मामले दर्ज होते हैं।

राज्य की जेलों में एनडीपीएस मामलों से जुड़े दोषी और अभियुक्त कैदियों की संख्या अधिक है। लगभग 40 प्रतिशत पुरुष कैदी, चाहे दोषी हों या अभियुक्त, मादक पदार्थों से जुड़े मामलों में शामिल हैं। महिलाओं के लिए यह आंकड़ा लगभग 30 प्रतिशत है। छोटी मात्रा के तस्कर अक्सर स्वयं भी नशीली दवाओं का इस्तेमाल करने वाले होते हैं। लगभग 10 प्रतिशत कैदियों को नशामुक्ति और पुनर्वास कार्यक्रम की आवश्यकता होती है। ऐसे व्यक्तियों का स्थान जेल नहीं बल्कि पुनर्वास केंद्र होना चाहिए। पुनर्वास के लिए कोई भी तय प्रोटोकॉल न होने के कारण, सुधार गृहों में तैनात चिकित्सक मादक पदार्थों के उपयोगकर्ताओं के उपचार में दक्ष हो गए हैं। राज्य के सुधार विभाग का प्रयास, जो एक केंद्रीय जेल में पुनर्वास केंद्र शुरू करने के लिए एक केंद्रीय योजना का लाभ उठाना चाहता था, राज्य सरकार के एक बाबू द्वारा खारिज कर दिया गया! राज्य सरकार को उन सभी सुधार गृहों को, जहां समर्पित चिकित्सक तैनात हैं, औपचारिक रूप से मादक पदार्थ पुनर्वास केंद्र घोषित करना चाहिए।राज्य की मादक पदार्थ समस्या के प्रति प्रतिक्रिया अब तक टिकाऊ नहीं रही है, जिसने संबंधित सभी मुद्दों पर ध्यान नहीं दिया। सबसे पहले, राज्य सीआईडी के तहत एक एंटी-नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) स्थापित की गई। बाद में, एक राज्य कानून पारित किया गया और एक विशेष टास्क फोर्स (एसटीएफ) बनाई गई, लेकिन एएनटीएफ को समाप्त नहीं किया गया।

संतुलित समाज के निर्माण में हो सहायक

पुरुष आयोग की मांग

डा0 सुधीर कुमार

तर्क दिया जा रहा है कि पुरुष आयोग बनाना समानता के सिद्धांत के खिलाफ नहीं है, बल्कि यह सुनिश्चित करेगा कि पुरुषों को भी उनके अधिकारों से वंचित न किया जाए। यह एक ऐसी संस्था होगी जो पुरुषों से संबंधित डेटा एकत्र करेगी, उनकी शिकायतों को सुनेगी, और सरकार को उनके कल्याण के लिए सुझाव देगी।जब हम लैंगिक समानता की बात करते हैं, तो अक्सर महिलाओं के अधिकारों और उनके सशक्तीकरण पर ज़ोर दिया जाता है, जो कि बिल्कुल सही और आवश्यक भी है।

यह लैंगिक समानता की दिशा में एक कदम है। समाज में लिंग-आधारित रूढ़िवादिता के कारण, पुरुषों को अपनी पीड़ा व्यक्त करने में हिचकिचाहट होती है, जिससे उनकी समस्याएं अक्सर अनसुनी रह जाती हैं।लंबे समय से, घरेलू हिंसा और प्रेम संबंधों में होने वाली क्रूरता को अक्सर महिलाओं से जोड़कर देखा जाता रहा है, जो कि बिल्कुल सही भी है। महिलाएं इन अपराधों का शिकार होती हैं। लेकिन, सिक्के का दूसरा पहलू यह भी है कि पुरुष भी इन अपराधों के शिकार हो रहे हैं। कई ऐसे मामले सामने आए हैं जहां प्रेम संबंधों में अनबन या अन्य कारणों से पतियों को अपनी जान गंवानी पड़ रही है।उनके पास मदद या शिकायत दर्ज कराने के लिए कोई खास मंच नहीं है।झूठे आरोप भी एक गंभीर समस्या है जिससे पुरुष जूझते हैं। दहेज उत्पीड़न, यौन उत्पीड़न या अन्य अपराधों के झूठे आरोप पुरुषों के जीवन को पूरी तरह से तबाह कर सकते हैं, भले ही वे बाद में निर्दोष साबित हो जाएं। यह उनके करिअर, सामाजिक प्रतिष्ठा और मानसिक स्वास्थ्य पर गहरा नकारात्मक प्रभाव डालता है। वर्तमान कानूनी ढांचे में, ऐसे मामलों में पुरुषों को खुद को निर्दोष साबित करने के लिए अक्सर लंबा और जटिल संघर्ष करना पड़ता है, और उनके लिए कोई विशेष सहायता प्रणाली नहीं है।

इसके अलावा, दहेज उत्पीड़न या बलात्कार जैसे कानूनों का कई बार दुरुपयोग होता है, जिसके चलते कई निर्दोष पुरुषों को झूठे मामलों में फंसा दिया जाता है। पारिवारिक विवादों, जैसे तलाक या बच्चों की कस्टडी के मामलों में भी, अक्सर पुरुषों को अलग-थलग महसूस कराया जाता है और उनके पक्ष को कई बार उचित महत्व नहीं मिलता। मानसिक स्वास्थ्य भी एक बड़ा मुद्दा है ; समाज का दबाव पुरुषों को अपनी भावनाओं को व्यक्त करने से रोकता है, जिससे उनके मानसिक स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ता है। ऐसे में उन्हें न्याय पाने और अपनी बेगुनाही साबित करने में भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। यह उनके करियर, सामाजिक प्रतिष्ठा और मानसिक स्वास्थ्य पर गहरा नकारात्मक प्रभाव डालता है।

बाबा कुटी में खुलेगा नगर निगम का जोनल 3 कार्यालय

» मेयर प्रमिला पांडेय, विधायक महेश त्रिवेदी और नगर आयुक्त सुधीर कुमार की उपस्थिति में हुआ सह-कार्यस्थल का भूमिपूजन

» नगर आयुक्त ने बताया कि 1162.22 लाख की लागत से बनेगा आधुनिक ग्रीन बिल्डिंग मॉडल कार्यालय

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की महत्वाकांक्षी मुख्यमंत्री वैष्विक नगरोदय योजना के अंतर्गत नगर निगम कानपुर की एक और बड़ी परियोजना शुरू हो गई है। बाबा कुटी

स्थित जलकल कार्यालय परिसर में जोनल कार्यालय-3 एवं सह-कार्यस्थल के निर्माण कार्य का भूमिपूजन शुक्रवार को महापौर ने किया। इस अवसर पर किदवई नगर विधानसभा के विधायक महेश त्रिवेदी, नगर आयुक्त, मुख्य अभियंता (सिविल) तथा अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

1162.22 लाख की लागत से बनेगा अत्याधुनिक भवन

परियोजना की कुल लागत 1162.22 लाख रुपए है। भवन का बिल्ट-अप एरिया 2589.20 वर्ग मीटर और प्लॉट एरिया 6145.80 वर्ग मीटर होगा। यह भवन भूतल से चौथी मंजिल (G+4) तक बनेगा। तीसरी और चौथी मंजिल को को-वर्किंग स्पेस के रूप में विकसित किया जाएगा, जिससे नगर निगम को आय भी प्राप्त होगी।

ग्रीन बिल्डिंग की तर्ज पर निर्माण

नया जोनल कार्यालय ग्रीन बिल्डिंग सिद्धांत पर आधारित होगा। भवन की छत पर100 KWp सोलर फोटोवोल्टिक पर है।

विभाग की बेरुखी से उड़ गई चेहरे की खुशी

» विश्व सीनियर सिटिज़न्स डे पर वरिष्ठ नागरिकों का छलका दर्द, अब नहीं वो हंसी और खुशी के भाव, बने जीवन के घाव

» सेन्ट्रल जीएसटी विभाग के सेवा निवृत अधिकारी अपने हक़ के लिए कानपुर लखनऊ के चक्कर काट रहे

» विभाग में दशकों साल सेवाएं देने के बाद रिटायर हुए, पर प्रोविज़नल पेंशन के सहारे जीवन जीने को मज़बूर

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर/लखनऊ। दशकों तक विभाग में रहकर सेवारत रहे लेकिन जब रिटायर होकर अपने हक़ की मांग की तो विभाग की बेरुखी ने दिल को तोड़ दिया। जिस विभाग को अपना परिवार माना और दिन का पूरा समय जिसके साथ गुज़ारा वहां की चौखट पर अब हर दिन हक़ की गुहार लगानी पड़ रही है। यह पीड़ा विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस के दिन तब उभर कर आई जब लोगों ने सीनियर सिटिज़न्स-डे 21 अगस्त के दिन अपने समाज की बुजुर्ग विरासत को सहजते हुए उनकों शुभकामनायें दे रहे थे।

विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस पर यह पीड़ा कानपुर के केंद्रीय वस्तु एवं सेवाकर विभाग के कर अधिकारीयों की है। विभाग ने 711 लोगों की वरिष्ठता सूची तैयार कर सभी को पद्दोन्नत किया था। बाद में त्रुटि की बात कहकर सभी के वेतन में कटौती कर दी गई और उनकी वरिष्ठता को एडहॉक का दर्ज़ा दे दिया गया। अधिकारी कोर्ट गए वहां से अपने हक़ में जीत भी गए लेकिन उनके हक़ की बात को विभाग स्वीकार नहीं कर पा रहा है, अपील का दौर चलता रहा इस बीच तकरीबन 40 प्रतिशत अधिकारी सेवा निवृत हो कर विभाग से रुखशत हो गए लेकिन उनकी हक़ की मांग लगातार जारी है। कर अधिकारी अरविन्द वरनवाल और सरिता वर्मा ने स्वेक्षा से अपने हक़ में कटौती कराकर बची पेंशन स्वीकार कर ली लेकिन कुछ प्रोविज़नल पेंशन के सहारे गुज़र बसर कर रहे हैं। शैलेन्द्र कुमार और गणेश चंद्र तो पेंशन के लिए बाट जोह रहे हैं। वहीँ इसी विभाग में सहायक निदेशक पद से सेवा निवृत राम वृक्ष भावुक पूर्ण पेशन के लिए विभाग के चक्कर काट रहे हैं। सेवा निवृत अधिकारीयों की पीड़ा को लेकर चीफ कमिशनर प्रदीप कटियार से संपर्क किया तो उनके कार्यालय का नंबर सेवा में नहीं पाया गया। वहीँ कानपुर आयुक्तालय के कमिश्नर रोशन लाल की व्यस्तता का हवाला देते हुए संयुक्त आयुक्त प्रमोद कुमार शिवरण से बात करने को कहा गया। जब हमने जेसी प्रमोद शिवरण से बात करनी चाही तो पांच मिनट में वार्ता करवाने की बात के बाद दसियों कॉल पर फोन नहीं उठा। ऐसे में वरिष्ठ अधिकारीयों के व्यवहार सवालों के घेरे में है।

बुजुर्ग विरासत से मिलता जीवन का अनुभव

कानपुर। निस्वार्थ लोकसेवा के लिए मानवता एक पहचान संस्था के बैनर तले पनकी पावर हाउस अभियंताओं की अगुवाई वाले ग्रुप ने बुजुर्गों की सेवा में अपने सहयोग को सर्वोपरि माना है। ग्रुप के अगुवाकार वरिष्ठ अभियंता राजेश चतुर्वेदी कहते हैं कि बुजुर्ग सभी को होना है, बुजुर्गों की सेवा से हमें उनके जीवन के अनुभवों की सीख मिलती है, ग्रुप के सहयोग से वृद्धा आश्रम में डेली 4 लीटर दूध, महीने में 4 गैस सिलेंडर रिफलिंग, स्वास्थ्य स्वरक्षा सम्बन्धी जाँच एवं दवाएं वितरित कर बृद्धजनों की सेवा में जुटे हैं। ग्रुप के ज़रिये स्वराज एवं जीवन वृद्धा आश्रम में अपनी सेवाएं देते हैं। ग्रुप में जुड़े वरिष्ठ अधिकारी और सेवानिवृत अधिकारी व समाज के अन्य लोग भी आर्थिक सहयोग करते हैं।

जाजमऊ फ्लाईओवर पर प्याज लदा ट्रक पलटा, मची लूट

» चालक-परिचालक सुरक्षित, हादसे के बाद दो घंटे तक बाधित रहा यातायात

राहगीरों ने बोरी-बोरी प्याज समेटा, पुलिस ने ट्रक हटवाकर किया मार्ग साफ

प्रमुख संवाददाता/ स्वराज इंडिया

कानपुर। जाजमऊ फ्लाईओवर पर गुरुवार देर रात बड़ा हादसा हो गया जब प्याज से भरा एक ट्रक अचानक अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में ट्रक पर लदी प्याज की बोरियां सड़क पर बिखर गईं। देखते ही देखते राहगीरों और स्थानीय लोगों में प्याज लूटने की होड़ मच गई। घटना के बाद पुलिस और यातायात विभाग ने मौके पर पहुंचकर क्रेन की मदद से ट्रक को हटवाया और यातायात बहाल कराया।

ट्रक चालक शैलेंद्र कुमार (निवासी उरई) अपने परिचालक सोनू पाल (निवासी कालपी) के साथ महाराष्ट्र से प्याज लेकर लखनऊ जा रहे थे।

रात करीब 12 बजे जब ट्रक रामादेवी से होते हुए जेके फ्लाईओवर पार कर रहा था तभी लोडर को ओवरटेक करने के प्रयास में वाहन अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गया। टक्कर इतनी तेज थी कि ट्रक का संतुलन बिगड़ते ही वह पलट गया और प्याज से भरी बोरियां नीचे सर्विस लेन पर बिखर गईं।घटना के बाद अफरा-तफरी मच गई। लोग झोले और थैले लेकर सड़क पर गिरे प्याज को भरने में जुट गए। ट्रक के पलटने से फ्लाईओवर और सर्विस लेन दोनों तरफ यातायात बाधित हो गया। पुलिस ने तत्काल क्रेन मंगवाकर ट्रक को हटवाया और बोरियों को किनारे कराया। जाजमऊ थाना प्रभारी जितेंद्र ने बताया कि हादसे में चालक और परिचालक दोनों सुरक्षित हैं और किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है। करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद यातायात सामान्य हो सका।

लायर्स एसोसिएशन कानपुर चुनाव में बार काउंसिल की इंट्री

» बार काउंसिल के चेयरमैन ने पत्र जारी कर मतपत्र सुरक्षित रखने के दिए निर्देश

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

प्रयागराज/कानपुर। कानपुर की दी लायर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष पद के चुनाव को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। अध्यक्ष पद के प्रत्याशी अधिवक्ता राकेश सचान ने मतगणना में अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए बार काउंसिल से पुनर्मतगणना की मांग की है।राकेश सचान का आरोप है कि मतगणना के दौरान अनियमितताएँ हुईं और जब उन्होंने मौके पर एल्डर्स कमेटी व चुनाव अधिकारी से आपत्ति दर्ज कराई तो उस पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। यहां तक कि पुनर्मतगणना के लिए दिया गया उनका पत्र भी नियमविरुद्ध तरीके से निरस्त कर दिया गया।इस मामले को गंभीर मानते हुए अध्यक्ष, बार काउंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश शिवकिशोर गौड़ ने आदेश जारी किया है कि प्रकरण से संबंधित सभी प्रपत्रों और मतपत्रों को सुरक्षित रखा जाए। एल्डर्स कमेटी और चुनाव अधिकारी को निर्देशित किया गया है कि वे 24 अगस्त 2025 को शाम 3:30 बजे बार काउंसिल भवन, प्रयागराज में उपस्थित होकर अपना पक्ष रखें।बार काउंसिल ने साफ कहा है कि जब तक दोनों पक्षों को सुनकर निर्णय नहीं लिया जाता, तब तक एल्डर्स कमेटी अध्यक्ष पद से संबंधित कोई निर्णय न ले और मतपत्रों को सुरक्षित रखे। आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि निर्देशों का पालन न करने पर संबंधित पक्षों के खिलाफ अधिवक्ता अधिनियम 1961 की धारा 35 के तहत कार्रवाई की जाएगी।

भू उपयोग के विपरीत निर्माण पर केडीए की कार्रवाई जारी

» जोन दो और जोन 3 में हुई सीलिंग की कार्रवाई

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर।कानपुर विकास प्राधिकरण (केडीए) ने अवैध व मानक के विपरीत हो रहे निर्माणों पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। उपाध्यक्ष मदन सिंह गर्ब्याल के निर्देश पर प्रवर्तन दस्तों ने गुरुवार को कई इमारतों को सील कर दिया।

सबसे पहले साकेत नगर स्थित किशोरी उपवन गेस्ट हाउस को सील किया गया। यह निर्माण आवासीय भू-उपयोग के विपरीत किया गया था और बिना नक्शा पास कराए गेस्ट हाउस के रूप में चलाया जा रहा था। अधिकारियों ने बताया कि वर्ष 2017 में भूखंड का नामांतरण अखिलेश दुबे की पत्नी मधु के नाम पर कराया गया था, किंतु नक्शा स्वीकृत नहीं था।इसी क्रम में जोन-2 के प्रवर्तन दस्ते के प्रभारी संदीप मोदनवाल ने बताया कि कृष्ण कुमार के काकादेव स्थित पी-ब्लाक के परिसर संख्या 131 व 132 तथा सुनीता माथुर के शारदानगर स्थित परिसर (117/क्यू/163-ए) में मानक के विपरीत बने निर्माण को भी सील किया गया है और अन्य निर्माणों की छानबीन की जा रही है।केडीए उपाध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि केवल अवैध निर्माण ही नहीं, बल्कि इसमें लापरवाही बरतने वाले अभियंताओं और सुपरवाइजर्स पर भी सख्त कार्रवाई होगी। उनके नाम चिह्नित कर जवाब-तलब किया जाएगा और दोष सिद्ध होने पर कठोर दंड दिया जाएगा।

उन्होंने कहा कि यह कदम अन्य लोगों के लिए भी चेतावनी है, ताकि कोई भी नियमों की अनदेखी कर गलत निर्माण कार्य न करे।

शिवली पुलिस की बड़ी सफलता फरार टेशू अब सलाखों के पीछे

» रेलवे ट्रैक से डीजल चोरी कर बन गया था लाखों का पूंजीपति

» आगजनी की घटना को अंजाम देने के बाद फरार चल रहा था टेशू

» 20 से ज्यादा मुकदमों में वांछित, पुलिस के लिए बना सिरदर्द

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात। शिवली थाना पुलिस ने रविवार को बड़ी सफलता हासिल की जब उसने लंबे समय से फरार चल रहे कुख्यात अपराधी देशराज उर्फ टेशू को गिरफ्तार कर लिया। यह गिरफ्तारी पुलिस के लिए बेहद अहम मानी जा रही है क्योंकि टेशू पिछले कई महीनों से फरार होकर अपने गैंग के जरिए आपराधिक गतिविधियां संचालित कर रहा था। टेशू पर डीजल चोरी, आगजनी, हमला, अवैध हथियारों की सप्लाई, मारपीट और धमकी जैसे गंभीर अपराधों के 20 से अधिक मुकदमे दर्ज हैं।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक दिसंबर 2024 में हुए एक परिवारिक विवाद में टेशू ने अपने साथियों के साथ मिलकर पूरे परिवार पर जानलेवा हमला किया था, जिसमें लाठी-डंडे, कट्टे और पेट्रोल बम तक का इस्तेमाल किया गया।

इस घटना में कई लोग गंभीर रूप से घायल हुए थे और पूरे गांव में दहशत का माहौल बन गया था। इसी आगजनी और फायरिंग के बाद से पुलिस उसकी लगातार तलाश में थी, लेकिन वह बार-बार ठिकाने बदलकर गिरफ्तारी से बचता रहा।

रेलवे मालगाड़ियों से होता था डीजल का काला कारोबार

पुलिस रिकॉर्ड और स्थानीय सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, देशराज उर्फ टेशू कई सालों से संगठित तरीके से रेलवे मालगाड़ियों से डीजल चोरी कर रहा था। पनकी, सचेंडी और भौती रेलवे ट्रैक पर उसका गिरोह रात के अंधेरे में हजारों लीटर डीजल निकालकर पहले टैंकरों और फिर टाटा पिकअप गाड़ियों से लोकल मार्केट तक पहुंचाता था।

यह चोरी इतनी सुनियोजित होती थी कि पहले से झाड़ियों में ड्रम और कट्टे छिपाकर रखे जाते और चोरी के बाद उन्हें भरकर सुरक्षित ठिकानों पर पहुंचा दिया जाता। ग्रामीणों के मुताबिक, टेशू का गैंग इतना प्रभावशाली था कि कई बार स्थानीय पुलिस और रेलवे सुरक्षा बल भी आंखें मूंद लेती थी। डीजल की बिक्री से टेशू हर महीने लाखों रुपये कमाता था और उसी काले धन से अवैध हथियार खरीदकर अपने गैंग को और मजबूत करता था। यही वजह है कि उसका नाम सिर्फ डीजल माफिया नहीं, बल्कि इलाके के सबसे खतरनाक अपराधियों में गिना जाने लगा।

शिवली पुलिस ने दबिश देकर दबोचा गैंग का सरगना

लंबे समय से फरार चल रहे देशराज उर्फ टेशू की गिरफ्तारी के लिए कानपुर देहात पुलिस ने कई टीमों का गठन किया और खुफिया स्तर पर लगातार निगरानी रखी। आखिरकार रविवार को शिवली थाना पुलिस ने एक गुप्त सूचना पर दबिश देकर उसे धर दबोचा।

गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने राहत की सांस ली क्योंकि यह वही आरोपी है, जिसने महीनों से इलाके में दहशत फैला रखी थी। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, टेशू से पूछताछ में उसके नेटवर्क से जुड़े कई और नाम सामने आ सकते हैं, जिनके खिलाफ जल्द ही कार्रवाई की जाएगी। पुलिस का यह भी कहना है कि अगर जांच में गैंग के विस्तार और संगठित अपराध के और सबूत मिले तो टेशू और उसके साथियों पर गैंगस्टर एक्ट के तहत भी कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों का मानना है कि इस गिरफ्तारी के बाद रेलवे ट्रैक पर डीजल चोरी का खेल काफी हद तक थमेगा और ग्रामीणों में भी पुलिस की कार्रवाई को लेकर भरोसा बढ़ेगा।

विद्यार्थियों को दक्ष बनाने पर जोर

» निपुण भारत अभियान के तहत मलासा में शिक्षक प्रशिक्षण जारी

» भाषा और संख्या ज्ञान में दक्षता पर विशेष फोकस

कानपुर देहात। नई शिक्षा नीति के अनुरूप विद्यार्थियों को बुनियादी स्तर पर दक्ष बनाने के लिए बेसिक शिक्षा विभाग लगातार प्रयासरत है। इसी कड़ी में ब्लाक संसाधन केंद्र मलासा में निपुण भारत अभियान के तहत चल रहे पांच दिवसीय प्रशिक्षण के तीसरे दिन शिक्षकों को आधुनिक शिक्षण पद्धतियों से अवगत कराया गया।प्रशिक्षण में विशेषज्ञों ने कहा कि शिक्षक विद्यार्थियों को केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित न रखें, बल्कि उन्हें इस प्रकार शिक्षित करें कि वे वास्तविक जीवन में भी ज्ञान का प्रयोग कर सकें। भाषा और संख्या ज्ञान में दक्षता विकसित करने के लिए कक्षाओं में नई तकनीकें और रोचक तरीकों का इस्तेमाल करना आवश्यक है।एआरपी कुलदीप सैनी ने शिक्षकों से कहा कि भाषा विकास की प्रक्रिया में ग्रिड और ब्लेंडिंग कार्य को शामिल किया जाए, जिससे बच्चों की पठन-पाठन क्षमता सहज और रोचक बने। वहीं एआरपी वीरेंद्र विक्रम सिंह, आलोक श्रीवास्तव और अश्वनी कटियार ने उच्च स्तरीय शिक्षण कार्य को अपनाने पर विस्तृत जानकारी दी।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। संपादकः अनूप कुमार RNI No.: UPHIN/2023/86769 | Email: swarajindia2023@gmail.com | Mob: 7800009853, | Website: www.swarajindianews.com | (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

गजनेर में नालों पर अतिक्रमण पीडब्ल्यूडी बना मूकदर्शक

सचिन सिंह चौहान/स्वराज इंडिया

कानपुर देहात (माती)। बरसात का मौसम शुरू हुए दो महीने से अधिक समय बीत चुका है, लेकिन गजनेर मुख्य चौराहे पर जलभराव की समस्या जस की तस बनी हुई है। बीते दो दिनों से हो रही तेज बारिश से चौराहे के चारों तरफ पानी भरा हुआ है, जिससे राहगीरों और व्यापारियों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। नालों की सफाई और अतिक्रमण हटाने में लोक निर्माण विभाग पूरी तरह असमर्थ नजर आ रहा है।

» बरसात में चौराहे पर जलभराव, व्यापारियों को भारी दिक्कत

» ग्राम प्रधान की शिकायत के बाद भी विभाग ने नहीं उठाया ठोस कदम

करीब तीन वर्ष पहले गजनेर रायपुर मुख्य मार्ग के निर्माण के दौरान चौराहे से चारों ओर घाटमपुर, नबीपुर, रायपुर और मूसानगर मार्ग पर पानी निकासी के लिए नाले बनाए गए थे। लेकिन विभागीय लापरवाही के चलते नालों को न तो ठीक से जोड़ा गया और न ही पाटकर सुरक्षित किया गया। परिणामस्वरूप स्थानीय दुकानदारों ने नालों में मिट्टी भरकर कब्जा जमा लिया। यही वजह है कि बरसात का पानी बहने के बजाय चौराहे और सड़कों पर जमा हो जाता है।

ग्राम प्रधान अनीसा बेगम की ओर से पिछले वर्ष नाला कब्जा मुक्त कराने की मांग उठाई गई थी। लोक निर्माण विभाग ने अतिक्रमणकारियों को नोटिस भेजकर इतिश्री कर ली, लेकिन उसके बाद कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई।

इस बार भी तेज बारिश में चौराहे का हाल बदहाल है और सड़कों के टूटने का खतरा बढ़ गया है।ग्राम प्रधान प्रतिनिधि फिरोज मंसूरी ने कहा कि यह नाला लोक निर्माण विभाग के अधीन है और विभाग को ही इसे कब्जा मुक्त कराना चाहिए।

वहीं, सहायक अभियंता साहिबे आलम का कहना है कि नोटिस जारी कर दी गई है और बहुत जल्द अतिक्रमण हटाकर नालों की सफाई कराई जाएगी।

समाजसेवक योगेंद्र सिंह चौहान ने कहा कि गजनेर मुख्य चौराहे पर सरवनखेड़ा-मूसानगर मार्ग और गजनेरघाटमपुर मार्ग के किनारे लोक निर्माण विभाग द्वारा बनाए गए नाले पूरी तरह मिट्टी से भरे पड़े हैं। बरसात होने पर यहां के व्यापारियों और दुकानदारों को भारी दिक्कत का सामना करना पड़ता है। पानी सड़क से बहकर सीधे दुकानों के अंदर घुस जाता है, जिससे लोगों का जीवन और व्यापार दोनों प्रभावित होते हैं।उन्होंने कहा कि यदि संबंधित विभाग समय रहते नालों को कब्जा मुक्त कराकर सफाई करा दे और पानी के निकास का उचित इंतज़ाम हो जाए, तो स्थानीय लोगों को इस तरह की परेशानियों से राहत मिल सकती है।

व्यापार मंडल अध्यक्ष नीरज गुप्ता ने कहा कि पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा जल निकासी के लिए बनाए गए नालों पर कुछ लोगों ने निजी स्वार्थ में मिट्टी डालकर अतिक्रमण कर लिया है। इसकी वजह से व्यापारियों और ग्राहकों को आवागमन में गंभीर दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है और स्थानीय व्यापार भी प्रभावित हो रहा है।उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि यदि गजनेर कस्बे के चारों ओर नालों में भरी मिट्टी को हटवाकर उन्हें कब्जा मुक्त कराया जाए, तो पानी की निकासी सुचारु रूप से हो सकेगी और लोगों की परेशानियां कम होंगी।

ट्रक मालिकों ने पुलिस पर अवैध वसूली का लगाया आरोप

» डीएम को सौंपा ज्ञापन, कार्रवाई की मांग

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। जिले भर के कई ट्रक मालिक गुरुवार को डीएम कार्यालय पहुंचे और पुलिस पर अवैध वसूली का गंभीर आरोप लगाते हुए ज्ञापन सौंपा। ट्रक मालिकों का कहना है कि मौरंग और गिट्टी ढोने वाले वाहनों से पुलिस द्वारा जबरन वसूली की जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि भोगनीपुर क्षेत्र में ट्रकों को रोककर एंट्री व मासिक शुल्क देने का दबाव बनाया जाता है। कई बार ट्रकों का चालान कर उन्हें दिनों तक थाने में बंद कर दिया जाता है, जिससे परिवहन व्यवसाय प्रभावित हो रहा है।

ट्रक यूनियन से जुड़े राघव अग्निहोत्री और अवधेश त्रिवेदी के नेतृत्व में ट्रक मालिकों ने डीएम कपिल सिंह को ज्ञापन सौंपकर मामले की जांच और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की। इस दौरान पंकज बाबू, जगराम सिंह, बलजीत सिंह, पवन शुक्ला, निर्भय सिंह, उदय भान सिंह, नवाब सिंह और हरिओम समेत कई लोग मौजूद रहे। ट्रक मालिकों ने कहा कि यदि अवैध वसूली और उत्पीड़न नहीं रुका तो वे बड़े आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।वहीं, पुलिस अधिकारियों ने इन आरोपों को निराधार बताया। सीओ भोगनीपुर संजय सिंह ने स्पष्ट किया कि जितने भी ट्रकों का चालान हुआ है, वे बिना नंबर प्लेट या नंबर प्लेट ढककर चल रहे थे। उन्होंने कहा कि उनके कार्यालय में सीसीटीवी कैमरे लगे हैं, यदि किसी को बुलाने का आरोप है तो वह दिन और तारीख बताई जाए, रिकॉर्ड से सत्यता सामने आ जाएगी। एएसपी राजेश पांडेय ने भी कहा कि जिले में बिना नंबर प्लेट वाले ट्रक और डंपर चलते हैं, जिनसे हादसे की आशंका बनी रहती है। इसी कारण सख्ती की जा रही है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि लगाए गए आरोपों की निष्पक्ष जांच कराई जाएगी और सच सामने लाया जाएगा।

पूर्वी यूपी और बुंदेलखंड में चमकेगा फुटवियर-लेदर उद्योग

योगी सरकार की नई नीति से मिलेगा निवेश और रोजगार का नया आयाम

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

लखनऊ। उत्तर प्रदेश अब सिर्फ पश्चिमी इलाकों तक सीमित औद्योगिक विकास की छवि से बाहर निकलकर पूर्वांचल और बुंदेलखंड को भी उद्योग और रोजगार का नया केंद्र बनाने की तैयारी में है।

योगी सरकार की उत्तर प्रदेश फुटवियर, लेदर और नॉन-लेदर क्षेत्र विकास नीति 2025 का सबसे बड़ा फोकस इन्हीं क्षेत्रों पर है।नई नीति के तहत सरकार ने भूमि लागत अनुदान और पूंजीगत सब्सिडी में विशेष रियायतें दी हैं, जिससे यहाँ उद्योग स्थापित करना पहले से आसान और आकर्षक होगा। यह कदम न केवल निवेशकों को लुभाएगा बल्कि लाखों

युवाओं को रोजगार के अवसर भी उपलब्ध कराएगा।

पूर्वी यूपी, बुंदेलखंड और मध्यांचल में स्थापित होने वाली फुटवियर व लेदर इकाइयों को 35त्न तक भूमि लागत अनुदान मिलेगा। मेगा एंकर यूनिट और क्लस्टर को यहाँ 80त्न तक भूमि अनुदान का लाभ मिलेगा। इससे उद्योगपतियों के लिए इन क्षेत्रों में फैक्ट्रियां लगाना बेहद किफायती साबित होगा।

पूंजीगत सब्सिडी से निवेशकों को मिलेगा बूस्ट

स्टैंड अलोन इकाइयों को इन क्षेत्रों में 30त्न पूंजीगत सब्सिडी (अधिकतम 45 करोड़ रुपए) मिलेगी। वहीं, मेगा एंकर यूनिट और क्लस्टर को 35त्न सब्सिडी (अधिकतम 700 करोड़ रुपए) तक की सुविधा दी गई है। यह सब्सिडी उद्योगपतियों के लिए एक सुनहरा अवसर बनेगी।

रोजगार और निवेश का नया गढ़ बनेगा पूर्वी यूपी

नई नीति से राजधानी लखनऊ, कानपुर, गोरखपुर, वाराणसी, प्रयागराज, झांसी, चित्रकूट, आजमगढ़ और बांदा जैसे जिलों को सीधा लाभ मिलेगा।

इससे न केवल स्थानीय स्तर पर लाखों युवाओं को रोजगार मिलेगा, बल्कि प्रदेश की पहचान फुटवियर और लेदर उत्पादों के वैश्विक निर्यातक के रूप में और मजबूत होगी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का विज़न

सरकार का स्पष्ट लक्ष्य है कि औद्योगिक विकास केवल पश्चिमी यूपी तक सीमित न रहे, बल्कि पूर्वांचल और बुंदेलखंड भी देश-विदेश के औद्योगिक मानचित्र पर अलग पहचान बनाएँ। नई नीति इस विज़न की दिशा में एक ठोस और ऐतिहासिक कदम है।

यूपी टी20 लीग में आदर्श सिंह के शतक ने बटोरीं खूब तारीफें

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

लखनऊ। यूपी टी20 लीग सीज़न-3 में कानपुर सुपरस्टार्स और काशी रुद्रास के बीच खेले गए मुकाबले में युवा बल्लेबाज आदर्श सिंह छा गए। 20 वर्षीय लेफ्ट हैंड बल्लेबाज ने शानदार शतक जड़कर न केवल अपनी टीम को मैच में बनाए रखा, बल्कि दर्शकों का दिल भी जीत लिया।

काशी रुद्रास के कप्तान ने पहले बल्लेबाजी का फैसला किया और निर्धारित ओवरों में टीम ने 201 रन बनाए। कानपुर सुपरस्टार्स के गेंदबाजों ने शुरुआत में कड़ा प्रदर्शन किया, जिसमें स्टार बॉलर विनीत पँवार ने विरोधी कप्तान करण शर्मा को जल्दी पवेलियन भेजकर मैच में रोमांच बनाए रखा।

जवाब में लक्ष्य का पीछा करने उतरी कानपुर सुपरस्टार्स की पारी में आदर्श सिंह ने मोर्चा संभाला। शुभांकर शुक्ला और कप्तान समीर रिज़वी के साथ अहम साझेदारियाँ करते हुए आदर्श ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी दिखाई।रन रेट बढ़ने के दबाव के बावजूद आदर्श ने टीम की उम्मीदों को जिंदा रखा।

हालाँकि, सुपरस्टार्स आखिरी तक लक्ष्य हासिल नहीं कर पाए, लेकिन आदर्श सिंह अपनी पावर हिटिंग और निडर बल्लेबाजी से सभी का ध्यान खींचने में सफल रहे। वे इस सीज़न के सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। स्टेडियम में मौजूद दर्शकों ने उनकी पारी पर जमकर तालियाँ बजाईं।भले ही मैच कानपुर सुपरस्टार्स के हाथ से निकल गया हो, लेकिन टीम का आत्मविश्वास और आदर्श सिंह का फॉर्म आने वाले मुकाबलों के लिए बड़े संकेत दे रहा है। टीम अब जीत के इरादे से मैदान में उतरेगी और पॉइंट्स टेबल में ऊपर जाने की कोशिश करेगी।

» गुरु को शत-शत नमन...

डॉ. एचबी सिंह: शिक्षा-संस्कार के ज्योतिर्पुंज

समीर शाही/स्वराज इंडिया

अयोध्या। अयोध्या के प्रख्यात शिक्षाविद डॉ. एच. बी. सिंह का जीवन शिक्षा, अनुशासन और संस्कारों की मिसाल था। साकेत महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य और अयोध्या धाम चैरिटेबल ट्रस्ट के मुख्य संरक्षक के रूप में उन्होंने न केवल संस्थानों को दिशा दी बल्कि हजारों विद्यार्थियों को जीवन जीने की कला सिखाई।

के. टी. पब्लिक स्कूल में उनकी शिक्षण शैली अद्वितीय रही। वे कहते थे ‘शिक्षा केवल किताबों में नहीं, बल्कि जीवन के व्यवहार में झलकनी चाहिए। उनके अनुशासनप्रिय दृष्टिकोण ने विद्यार्थियों को आत्मनिर्भर और चरित्रवान बनने की प्रेरणा दी।

सिर्फ शिक्षक ही नहीं, डॉ. सिंह एक समाजसेवी भी थे। अयोध्या धाम चैरिटेबल ट्रस्ट के माध्यम से उन्होंने शिक्षा, संस्कार और मानवीय मूल्यों के संरक्षण के कई कार्य किए।

विदाई में आंसू, स्मृतियों में अमरता

उनके निधन ने अयोध्या के शैक्षिक जगत को गहरा आघात पहुंचाया। ट्रस्ट के अध्यक्ष संजय महिंद्रा ने भावुक शब्दों में कहा डॉ. सिंह ने शिक्षा को धर्म मानकर जीवन जिया। प्रभु श्रीराम उन्हें अपने चरणों में स्थान दें और हम सभी को उनके आदर्शों पर चलने की शक्ति दें।

डॉ. एच. बी. सिंह अब ब्रह्मलीन हो गए हैं, परंतु उनका योगदान, उनके आदर्श और उनकी शिक्षाएं आने वाली पीढ़ियों का मार्ग आलोकित करती रहेंगी।

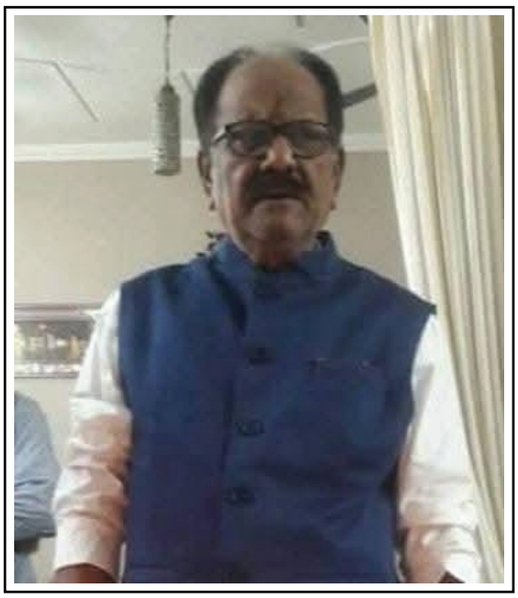

चार वर्ष के मासूम का अपहरण

» ढाई घण्टे में मिला सुराग,पुलिस ने किया बरामद

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। हैदरगंज थाना क्षेत्र में शाम को एक चार वर्षीय बच्चे के अपहरण का मामला सामने आया। बैंतीकला निवासी प्रदीप कुमार का बेटा राज अपने पिता के साथ गांव के पास बाजार में सब्जी की दुकान पर खड़ा था।इसी दौरान सिहोरिया गांव का दीपक बाइक से वहां पहुंचा और मौका पाकर बच्चे को बाइक पर बैठाकर फरार हो गया। पिता ने बच्चे को आसपास तलाशने के बाद तुरंत पुलिस को सूचना दी।

पीआरबी जवानों ने करीब ढाई घंटे की तलाश के बाद बच्चे को सिहोरिया गांव के दयाल नामक व्यक्ति के घर से बरामद किया। प्रदीप कुमार ने हैदरगंज थाने में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस अपहरण के कारणों की जांच कर रही है।

अयोध्या में रवीना टंडन ने किए रामलला के दर्शन

» बोलीं - जीवन का सबसे अविस्मरणीय क्षण

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। बॉलीवुड अभिनेत्री रवीना टंडन गुरुवार को अयोध्या पहुंचीं और भव्य राममंदिर में रामलला के दर्शन कर माथा टेका। उन्होंने गर्भगृह में विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर ध्यान लगाया। इस दौरान श्रद्धालुओं ने उनके साथ सेल्फी लेने की होड़ मचा दी।

रवीना ने दर्शन के बाद कहा, आज सचमुच मेरा जन्म सफल हो गया। यहां आकर आत्मिक शांति का अनुभव हुआ। मैं प्रधानमंत्री मोदी जी और मुख्यमंत्री योगी जी की आभारी हूं,

जिन्होंने इस अद्भुत मंदिर को साकार किया। राममंदिर के बाद रवीना हनुमानगढ़ी भी पहुंचीं और पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद लिया। उन्होंने कहा कि यह अनुभव उनकी जिंदगी का सबसे यादगार और पवित्र क्षण है।

कोई पद नहीं, फिर भी पूरा भौकाल!

मंत्री पुत्र के लिए प्रोटोकॉल लेटर ने मचाया हड़कंप

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में यूं तो सरकार से सरकारी बाबू तक सादगी की बात करते हैं लेकिन जमीन पर हकीकत कुछ और ही है। अब एक मंत्री पुत्र के लिए प्रोटोकॉल की चिट्ठी ने सबको सकते में ला दिया है।

उत्तर प्रदेश में में इन दिनों वीआईपी प्रोटोकॉल और भौकाल की अलग तस्वीर देखने को मिल रही है। नेता तो नेता जी उनके साहबजादे भी रौब गांठने में पीछे नहीं दिखाई दे रहे हैं। पिता जी कैबिनेट मंत्री हैं तो बेटे का रौला भी कम नहीं है। मामला जालौन के उरई से सामने आया है। जहां पर जलशक्ति मंत्री के सुपुत्र बिना किसी पद के सरकारी प्रोटोकॉल का लाभ ले रहे हैं। लेटर वायरल हुआ है और अब इस पर चर्चा शुरू हो गई है।

जानकारी के अनुसार जलशक्ति मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह के सुपुत्र अभिषेक सिंह को बीती 15 अगस्त के दिन शहर के टाउन हॉल से लेकर जिला परिषद तक निकाली जा रही तिरंगा यात्रा में शामिल होना था। इसे लेकर मंत्री के निजी सचिव ने डीएम और एसपी को व्यवस्था करने के लिए पत्र जारी कर दिया और लिखा कि व्यवस्था की जिम्मेदारी भी सुनिश्चित की जाए।

मंत्री पुत्र के लिए प्रोटोकॉल लेटर ने मचाया हड़कंप।

» मंत्री के निजी सचिव ने डीएम, एसपी को व्यवस्था करने के लिए पत्र जारी किया

» सोशल मीडिया पर वायरल हुआ और चर्चाओं का बाजार गर्म हो गया

जिलाधिकारी को भेजे गए पत्र में लिखा गया- मंत्री, जल शक्ति विभाग, उत्तर प्रदेश के सुपुत्र श्री अभिषेक सिंह जी दिनांक 15.08.2025 को निम्नानुसार कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे। उक्त कार्यक्रम में आने-जाने एवं प्रतिभाग किये जाने हेतु आवश्यक कार्यवाही किये जाने हेतु सम्बन्धित को निर्देशित करने का कष्ट करें।

जिसके बाद जिला प्रशासन की ओर से पूरी व्यवस्था दे दी गई लेकिन इस बीच एक पत्र सोशल मीडिया पर वायरल हुआ और चर्चाओं का बाजार गर्म हो गया। बताते चलें कि प्रशासनिक तौर पर इस प्रोटोकॉल के जारी होने की पुष्टि नहीं की जा रही। अब सवाल ये उठ रहा है कि वो सरकार जो वीआईपी कल्चर के खिलाफ थी और उसी सरकार के वो मंत्री जो सबसे ज्यादा इस आवाज को बुलंद करते थे अब उनके बेटे को लेकर ये बात सवाल पैदा कर रही है।

दीवार फांद संसद भवन की गरुड़ द्वार तक पहुंचा शख्स

फिर हुई चूक, संदिग्ध को सुरक्षाबलों ने दबोचा

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

नई दिल्ली। संसद भवन की सुरक्षा में सेंध लगाते हुए एक शख्स शुक्रवार (22 अगस्त 2025) को उसकी दीवार पर चढ़ गया। हालांकि बाद में सुरक्षाकर्मियों ने उसे पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। सूत्रों के मुताबिक यह घटना सुबह करीब 6.30 बजे घटी और इसे लेकर आगे की जांच जारी है।

गरुड़ द्वार तक पहुंच गया शख्स : यह घटना संसद के मानसून सत्र के समाप्त होने के एक दिन बाद हुई है। बताया जा रहा है कि एक शख्स पेड़ के सहारे दीवार पर चढ़ा और फिर संसद भवन परिसर के अंदर कूद गया। रेल भवन की तरफसे इस व्यक्ति ने दीवार फांदी। इसके बाद वह नई संसद भवन के गरुड़ द्वार तक पहुंच गया। उस शख्स को वहां घुमते हुए देखकर संसद भवन में मौजूद सिक्योरिटी ने उसे पकड़ लिया। सुरक्षा की सुरक्षा में सेंध की एक ऐसी ही घटना पिछले साल भी हुई थी, जब 20 साल की उम्र का एक व्यक्ति संसद भवन एनेक्सी में घुस गया था। इस घटना का एक कथित वीडियो भी सामने आया था, जिसमें संदिग्ध व्यक्ति, जो शॉर्ट्स और टी-शर्ट पहने हुए था, उसे सीआईएसएफ ने पकड़ा था। तलाशी के दौरान उस व्यक्ति के पास से कोई आपत्तिजनक सामान नहीं मिला था।

संसद हमले के बरसी के दिन हुई थी भारी चूक : साल 2023 में भी संसद हमले के बरसी के दिन भारी सुरक्षा चूक की घटना हुई है। सागर शर्मा और मनोरंजन डी, दो युवक संसद में जारी कार्यवाही के बीच लोकसभा कक्ष में घुस गए थे। इन लोगों ने संसद में दर्शक दीर्घा से कूदने के बाद लोकसभा कक्ष के अंदर पीले धुएं का गुब्बार फोड़ा था। हालांकि, सदन में मौजूद सांसदों ने दोनों को दबोच लिया। उसी समय संसद के बाहर नीलम आजाद और अमोल शिंदे ने धुआंधार गुब्बारे भी फोड़े और नारे लगाए। इस मामले में कुल 6 लोगों की गिरफ्तारी हुई। अन्य दो आरोपियों में महेश कुमावत और ललित झा शामिल थे। ललित झा को पूरे घटनाक्रम का मास्टरमाइंड माना जाता है।

ताजा आंकड़े | बिहार का सबसे ताजा सर्वे उड़ा देगा होश, जानिए किसकी लोकप्रियता बढ़ रही

नीतीश, तेजस्वी या प्रशांत, कौन पहली पसंद

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 से पहले सी-वोटर सर्वे के ताजा आंकड़े सामने आए हैं। जानिए नीतीश कुमार, तेजस्वी यादव, चिराग पासवान और प्रशांत किशोर में किसकी लोकप्रियता बढ़ रही है और जनता का मूड किस ओर है।

बिहार में अक्टूबर-नवंबर में विधानसभा चुनाव होने की संभावना है, हालांकि अभी तक चुनावों की तारीखों का ऐलान नहीं किया गया है। चुनावों के नजदीक आते ही राजनीतिक हलचल चरम पर है। इस दौरान सी-वोटर ने ताजा सर्वे जारी किया है, जो बताता है कि जनता के बीच किस नेता की लोकप्रियता बढ़ रही है और कौन पीछे छूट रहा है। इसी को लेकर सी-वोटर ने फरवरी, जून और अगस्त 2025 में तीन अलग-अलग सर्वे किए।

प्रशांत किशोर किंगमेकर बनेंगे या खिलाड़ी?

सबसे दिलचस्प चेहरा प्रशांत किशोर का है। उनको फरवरी में 15% वोट मिले, जून में ये आंकड़ा बढ़कर 16 हो गया और अगस्त में 6% की बढ़ोतरी के साथ 22 पर जा पहुंचा। चूंकि वे किसी भी गठबंधन से नहीं जुड़े हैं, इसलिए सवाल यह उठ रहा है कि वे किंगमेकर होंगे या खुद किंग बनने की कोशिश करेंगे।

तेजस्वी यादव जनता की पहली पसंद? : तेजस्वी यादव इंडिया गठबंधन से सबसे बड़े दावेदार माने जा रहे हैं। सर्वे के तीनों चरणों में वे नंबर वन पर रहे हैं। फरवरी में 41%, जून में 37% और अगस्त में सीधे 31% पर आ गए हैं।

राहुल गांधी ने भी वोटर लिस्ट से नाम कटने और चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठाए हैं। एक सर्वे में 59% लोगों ने माना कि राहुल के आरोपों में दम है। वहीं 67% लोगों ने कहा कि चुनाव आयोग को सवालों का जवाब देना चाहिए। यह मुद्दा सीधे तौर पर वोटरों को प्रभावित कर सकता है।

सर्वे-नीतीश कुमार और एनडीए के चेहरे

नीतीश कुमार लंबे समय से बिहार की राजनीति का बड़ा चेहरा रहे हैं, लेकिन सी-वोटर सर्वे बताता है कि उनकी लोकप्रियता में गिरावट आ रही है। फरवरी में 18% लोग उन्हें सीएम फेस के रूप में पसंद कर रहे थे। जून में यह आंकड़ा 18%, अगस्त तक यह घटकर 15% रह गया। एनडीए के दूसरे चेहरे चिराग पासवान और सम्राट चौधरी हैं। चिराग पासवान फरवरी में 4% पर थे, जून में 11% पर पहुंचे, लेकिन अगस्त में 10% पर आ गए हैं। सम्राट चौधरी फरवरी में 8%, जून में 7% और अगस्त में 10% पर रहे। इसका मतलब यह है कि एनडीए में फिलहाल कोई बड़ा चेहरा नीतीश कुमार की जगह नहीं ले पाया है।